अस्मितामूलक विमर्श

Open Elective Course						
Course Code	Course Title	L	T	P	CH	CR
UHND0O006T	अस्मितामूलक विमर्श	3	1	0	4	4

पाठ्यक्रम प्रतिफल (course outcome)

प्रस्तुत प्रश्न-पत्र के अध्ययन से

- इक्कीसवीं सदी में अस्मितामूलक विमर्श की अवधारणा से परिचय होता है।
- हाशिये के समाज की अस्मिता और अस्तित्व के महत्व से परिचय होता है।
- हिंदी साहित्य में स्त्री विमर्श, दलित विमर्श, आदिवासी विमर्श, किन्नर विमर्श, विकलांग विमर्श इत्यादि से संबंधित रचनाओं से अवगत होंगे।
- विभिन्न रचनाओं के अध्यन्न से हाशिये के समाज की समस्याओं और निवारण की प्रक्रिया से परिचित होंगे।
- समाज में जागरुकता लाने के लिए अग्रसर होंगे।

निर्धारित पाठ्यांश

इकाई. 1 आस्मितामूलक विमर्श : आवधारणा एवं स्वरूप :

स्त्री विमर्श, दलित विमर्श, आदिवासी विमर्श, किन्नर विमर्श, दिव्यांग विमर्श इत्यादि।

इकाई. 2 स्त्री विमर्श

पचपन खंभे लाल दीवारें: उषा प्रियंवदा (आत्मकथा)।

स्त्रियाँ: अनामिका (कविता)।

ब्रूनों की लड़कियाँ: आलोक धन्वा (कविता)।

इकाई. 3 दलित विमर्श

जूठन : ओमप्रकाश वाल्मीकि(आत्मकथा)।

सुनो ब्राह्मण: मलखान सिंह (कविता)।

मेरा गाँव: सूरजपाल चौहान(कविता)।

इकाई. 4 आदिवासी विमर्श

ग्लोबल गाँव के देवता- रणेन्द्र (उपन्यास)।

बिरसा मुंडा की याद में: हरिराम मीणा (कविता)।

आदिवासी लड़कियों के बारे में : निर्मला पुतुल (कविता)।

इकाई. 5 किन्नर विमर्श

मैं लक्ष्मी मैं हिजड़ा: लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी (आत्मकथा)।

ख्लीक अहमद बुआ: राही मासूम रज़ा(कहानी)।

Ratnesh Kumar Yadav

प्रो. भारत भूषण / Prof. Bharat Bhushan
आचार्य / Professor
हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग
Department of Hindi & Other Indian Languages
जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Jammu

Scanned with OKEN Scanner

अनुशंसित ग्रंथ :

1. शृखंला की कड़ियाँ : महादेवी वर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. अस्मिता विमर्श का स्त्री- स्वर : अर्चना वर्मा, मेधा बुक्स ,दिल्ली
3. स्त्री विमर्श का यथार्थ : ममता कालिया, किताबवाले, नई दिल्ली
4. स्त्री चिंतन की चुनौतियाँ : रेखा कस्तवार, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5. स्वाधीनता का स्त्री पक्ष: अनामिका, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. पुरुष की निगाह में स्त्री : राजेंद्र यादव, अक्षरा प्रकाशन, दिल्ली
7. उपनिवेश में स्त्री: प्रभा खेतान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
8. स्त्री उपेक्षिता : प्रभा खेतान, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
9. स्त्रियों की पराधीनता: जॉन स्टुअर्ट मिल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
10. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र : ओमप्रकाश वाल्मीकि, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
11. मुख्यधारा और दलित साहित्य: ओमप्रकाश वाल्मीकि, सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली
12. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र : कवल भारती, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
13. आधुनिकता के आईने में दलित : (सं.) आभय दुबे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
14. दलित समाज और संस्कृति: तेज सिंह, आधार प्रकाशन, पंचकूला
15. थर्ड जेंडर के संघर्ष का यथार्थ: (सं.) .शगुफ्ता नियाज़, विकास प्रकाशन, कानपुर
16. आदिवासी कौन : (सं.) रमणिका गुप्ता , राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
17. झारखंड के आदिवासियों के बीच : वीर भारत तलवार, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
18. आदिवासी अस्तित्व और झारखंडी अस्मिता के सवाल : रामदयाल मुंडा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

प्रो. भारत भूषण / Prof. Bharat Bhushan
आचार्य / Professor
हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग
Department of Hindi & Other Indian Languages
जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Jammu

Scanned with OKEN Scanner